समावेश

एक पहल...

अंक 10, नवम्बर–जनवरी 2013

समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रकाशित

CUTS International

Sightsavers

संपादक की कलम से...

प्रिय पाठकों,

इस अंक में इस त्रैमास की प्रमुख गतिविधियों को प्रकाशित किया जा रहा है जिसमें मुख्यतः विभिन्न संस्थाओं द्वारा लगाये गये निःशुल्क नेत्र केम्प के माध्यम से लगभग 300 रोगियों के मोतियाबिन्द के ऑपरेशन करवाऐ।

इसके अलावा विशेषयोग्यजनों के साथ मिलकर लुई ब्रेल डे व विश्व विकलांग दिवस मनाया गया। राजीव गांधी केन्द्र का एक्सेस ऑडिट किया गया एवं समुदाय के साथ क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन किया। रेखा को आत्मनिर्भर बनाकर उसकी सफल कहानी बतायी जो कि विशेषयोग्यजनों के लिए प्रेरणा का काम करेगी।

आपको यह अंक कैसा लगा ? इस अंक के बारे में आपके सुझाव सादर आमंत्रित हैं....

'सम्पादक मंडल'

लुई ब्रेल को किया याद

4 जनवरी को प्रतिवर्ष सम्पूर्ण विश्व में लुई ब्रेल के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है। लुई ब्रेल ने 6 बिन्दुओं के माध्यम से एक ऐसी लिपि का अविष्कार किया जिसके माध्यम से नेत्रहीन व्यक्ति पढ़–लिख सकता है। इस लिपि का अविष्कार वर्ष 1821 में हुआ था और आज भी पूरे विश्व में नेत्रहीन व्यक्ति इस लिपि के सहयोग से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। लुई ब्रेल का जन्म 1809 में फ्रांस में हुआ था एवं 6 जनवरी 1952 को उनकी मृत्यु हो गई। लुई ब्रेल का पूरा जीवन नेत्रहीनों की शिक्षा के लिए ही समर्पित था।

दिनांक 4 जनवरी 2013 को कट्स ने सर्व शिक्षा अभियान के साथ मिलकर लुई ब्रेल दिवस मनाया। इस कार्यक्रम का आयोजन राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, किला रोड़, चित्तौड़गढ़ पर किया गया था। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों ने भी भागीदारी निभायी। कार्यक्रम में 208 विशेष योग्यजनों व अन्य लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में लुई ब्रेल को याद कर उनके योगदान को सराहा। तत्पश्चात दृष्टिहीन बच्चों के लिये विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसे विभिन्न वस्तुओं को पहचानना, गीत व कविता, ब्रेल लिपि में लिखना आदि। प्रतियोगिताओं के बाद बच्चों को सर्व शिक्षा अभियान द्वारा पुरूस्कार वितरण किया गया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा 26 दृष्टिबाधित बच्चों को सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। कार्यक्रम स्थल पर विकलांग बच्चों के काम में आने वाले विभिन्न सहायक उपकरणों व शिक्षा में काम आने वाली सहायक सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अथिति के रूप में श्री जगवीरसिंह मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद ने भाग लिया। श्री जगवीरसिंह ने अपने उद्‌बोधन में इन विशेष योग्यजन बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोडनें के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

300 मोतियाबिन्द के कराये ऑपरेशन

नवम्बर, दिसम्बर 2012 व जनवरी 2013 में लगभग 300 लोगों के मोतियाबिन्द के ऑपरेशन कराये गये। इस अवधि में विभिन्न संस्थाओं द्वारा मोतियाबिन्द के ऑपरेशन हेतु निःशुल्क केम्प लगाये गये इनमें विक्रम सिमेंन्ट, खोर, आदित्य बिरला सिमेंन्ट, सावा, और हरीश आंजना चेरिटेबल ट्रस्ट मुख्य हैं। कट्स कार्यकर्ताओं ने गावों में जाकर लोगों को इन केम्पों के बारे में जानकारी दी तथा मोतियाबिन्द से ग्रसित लोगों को केम्प में जाकर इलाज कराने हेतु प्रेरित किया। केम्प में आंखों की जांच कर मोतियाबिन्द के मरीज को ऑपरेशन की दिनांक तय कर ऑपरेशन किया गया। कार्यकर्ता इस दौरान मोतियाबिन्द के मरीजों से लगातार सम्पर्क कर उनका सहयोग करते रहे।

विश्व विकलांग दिवस मनाया

साईटसेवर्स के सहयोग से चलाये जा रहे समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के तहत दिनांक 3 दिसम्बर 2012 को कट्स मानव विकास केन्द्र में हर साल की तरह इस साल भी विश्व विकलांगता दिवस का आयोजन किया गया जिसमें चित्तौड़गढ़ जिले से 152 विकलांगजनों ने अपनी भागीदारी निभायी।

विश्व विकलांग दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य विकलांगजनों को उनके अधिकारों के बारे मे जागरूक कर उनका मनोबल बढाने के साथ उन्हें सरकारी योजना का फायदा दिलवाते हुए स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है।

इस दिन विकलांगजनों को उनके अधिकारों के प्रति सजग करने का प्रयास किया जाता है। इस अवसर पर मेवाड़ विकलांग सेवा समीति के अध्यक्ष श्री दिलीप सिंह राणावत ने विशेष योग्यजनों को सम्बोधित करते हुये कहा कि "अब विकलांगजनों को जागरूक होने की जरूरत है साथ ही विकलांगजन अपने आप को अकेला महसूस ना करें क्योंकि मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान विकलांगजनों को सही दिशा प्रदान करेगी एवं मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान सगठन को मजबूत बनाने के लिए सदस्यता अभियान भी चला रही है।

कार्यक्रम में विकलांगजनों को प्रेरित करते हुए उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे रेल पास, बस पास, विश्वास योजना, सुखद दाम्पत्य जीवन योजना, स्वयं सहायता समूह, राजीव गांधी स्वर्ण जयन्ति स्वरोजगार योजना और पेंशन योजना आदि की जानकारी दी। इन योजनाओं का लाभ केवल वे ही व्यक्ति प्राप्त कर सकते हैं जिनके पास 40 प्रतिशत या इससे अधिक विकलांगता वाला डॉक्टर द्वारा प्रमाणित विकलांगता प्रमाण पत्र हो।

साईटसेवर्स प्रतिनिधियों ने परियोजना क्षेत्र में किया दौरा

अन्तर्राष्ट्रीय स्वयं सेवी संस्था साईटसेवर्स के प्रतिनिधियों ने 9 व 10 जनवरी को कट्स मानव विकास केन्द्र की विज़िट कर साईटसेवर्स के सहयोग से चलाये जा रहे समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम की गतिविधियों का अवलोकन किया। साईटसेवर्स के प्रतिनिधि समय समय पर कार्यक्रम का मूल्यांकन कर कार्यक्रम को और बेहतर और प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने में सहयोग प्रदान करते हैं।

विज़िट के दौरान वे चित्तौड़गढ तहसील के गिलुण्ड गांव में विशेष योग्यजन के बने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों से मिले और उनसे चर्चा की। निम्बाहेड़ा में भीलों की बस्ती में जाकर 9 वर्षीय नेत्रहीन बालिका देउ भील से मुलाकात की जो स्थानीय सरकारी विद्यालय की कक्षा 2 में अध्ययनरत है।

अगले दिन वे निम्बाहेड़ा में मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान के कार्यक्रताओं से मिले और संस्थान द्वारा विकलांगजनों के हित में किये जाने वाले कार्यों की जानकारी ली। साईटसेवर्स अधिकारियों द्वारा कट्स व मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान के कार्यो की सराहना की एवं संस्था की उपलब्धियों को देख कर काफी प्रभावित हुए तथा उन्होंने कहा कि वर्तमान में दो पंचायत समीतियों में चल रहे इस कार्यक्रम को आगे चित्तौड़गढ़ जिले की सभी 11 पंचायत समीतियों में चलाया जाऐगा। साथ ही मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान को भी आगे बढ़ाने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

समुदाय क्षमतावर्धन कार्यशाला

दिनांक 20 दिसम्बर 2012 को राजीव गांधी सेवा केन्द्र, घटियावली में समुदाय क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के.एल.जैन, विकास अधिकारी चित्तौड़गढ़ थे। इस कार्यक्रम में समुदाय के 62 लोगों ने भाग लिया।

समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के परियोजना अधिकारी श्री आराध्य शंकर गौड़ ने साईटसेवर्स के सहयोग से चित्तौड़गढ़ एवं निम्बाहेड़ा पंचायत समिति के समस्त गांवो में चलाये जा रहे कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी साथ ही कट्स के एडवोकेसी ऑफिसर माजिद खान ने उपेक्षित बच्चों की शिक्षा एवं उनके अधिकारों के लिए चलाई जा रही परियोजना की जानकारी दी।

विकास अधिकारी के.एल.जैन ने राजस्थान सरकार की फ्लेगशिप योजनाओं की जानकारी दी तथा लोगों को जागरूक होकर योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इसी अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता गंगाधर सोलंकी ने सूचना का अधिकार अधिनियम एवं प्रभावी पत्र लेखन के बारे में विस्तार से लोगों को समझाया।

अन्त में विशेषयोग्यजनों की भागिदारी से नव निर्मित राजीव गांधी सेवा केन्द्र की एक्सेस ऑडिट कर, भवन में विशेषोग्यजनों के प्रवेश को लेकर आ रही बाधाओं को नोट किया गया एवं घटियावली सरपंच को इन समस्याओं के बारे में बताया गया। उन्होनें जल्द ही इनके निराकरण के लिए आश्वासन दिया।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

परियोजना प्रारंभ में बेस लाईन सर्वे के दौरान चित्तौडगढ़ जिले की पंचायत समिति चित्तौड़गढ़ के ग्राम पंचायत धनेतकला में सितम्बर 2010 में कार्यकर्ता की मुलाकात 25 वर्षिय रेखा शर्मा से हुयी जो एक प्राईवेट विद्यालय में शिक्षिका थी। विद्यालय में वह 500 रू प्रतिमाह मानदेय पर कार्यरत थी एवं उसे सरकारी सुविधाओं के नाम पर केवल विकलांगता पेंशन ही मिल रही थी। रेखा का जीवन 12वीं कक्षा पास करने के बाद चार दिवारों में केद के समान हो गया था। उसके पास बैसाखी नहीं होने के कारण उसको आने जाने में समस्या होती थी एवं दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। वह अपनी ऐसी जिन्दगी के लिये छुप छुप कर रोया करती थी। रेखा की मुलाकात जब कार्यकर्ता से हुयी तो उसने अपनी लाचारी बताते हुये ट्राईसाईकल व बैसाखी दिलवाने हेतु प्रार्थना की। कार्यकर्ता ने उसे आश्वासन देते हुये प्रशासन गांव के संग अभियान से अवगत कराया और उसे इस अभियान का लाभ उठाने कहा।

कार्यकर्ता के सहयोग से रेखा ने नवम्बर 2010 में प्रशासन गांव के संग का फायदा लेते हुये अपना विकलांगता प्रमाण पत्र पुनः बनवाया। कार्यकर्ता ने चित्तौड़गढ़ जैन धर्मशाला में नारायण

सेवा संस्थान द्वारा लगाये गये शिविर में निःशुल्क बैसाखी व ट्राईसाईकिल प्राप्त करवाई। रेखा व उसका परिवार अब बहुत खुश थे कि रेखा को अब किसी का मोहताज नहीं होना पड़ेगा और वह अपना काम स्वयं कर पायेगी। अब रेखा को आत्मनिर्भर बनाने के लिये कार्यक्रर्ता ने उसे सिलाई सीख कर सिलाई करने की सलाह दी। रेखा ने बताया कि वह पहले से ही सिलाई का कार्य जानती है। कार्यकर्ता ने सलाह दी कि वह गांव में एक जगह पर सिलाई का कार्य प्रारंभ कर दे जिससे कि उसके लिये आय के रास्ते खुलेंगे। रेखा ने बताया कि उसका घर तो गांव के बाहर है वहां सिलाई करवाने कौन आयेगा? कार्यकर्ता ने रेखा की हिम्मत बंधाते हुये एक बार तो सिलाई का काम प्रारंभ करने को कहा।

स्कूल में पढाने से रेखा को सिर्फ 500रू प्रतिमाह ही मिलते थे जो कि बहुत कम थे। अतः उसने स्कूल छोड़कर सिलाई का काम शुरू किया। प्रारंभ तो आस पास के लोगों से ही उसने सिलाई की शुरूआत की लेकिन बाद में उसके पास अच्छी खासी सिलाई के ऑडर आने लगे। कुछ समय बाद रेखा ने गांव की बीच में एक मौके का स्थान देख कर किराये की दुकान ले ली जहां पर वह कोसमेटिक समान व साड़ी के फॉल के साथ साथ महिलाओं से सम्बन्धित सामान भी रखने लगी। अब गांव में महिलाओं को एक ही जगह पर सारी सामग्री उपलब्ध होने लगी। अब उसके साथ–साथ वह लड़कियों को सिलाई सिखाने का काम भी करती है जिससे उन लड़कियों को सिलाई के साथ साथ छोटा मोटा रोजगार भी मिलता है।

रेखा ने स्कूल को छोड़कर अपने स्वयं का रोजगार किया जिससे वह तीन चार हजार रूपए महीने कमा लेती है। वह सरकारी स्कूल में सिलाई सिखाना का काम भी करती है जिससे उसको 1000 रू महीना मिलता है। रेखा स्वयं सहायता समूह के माध्यम से भी खुद को व अन्य लड़कियों को रोजगार से जोड़ना चाहती है। वह अपने गांव कि विकलांग मित्र व मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान की सदस्य भी है तथा विकलांगजनों के हित के लिये काम करती है। उसका मानना है कि अपनी ही तरह के अन्य लोगों की मदद कर वह उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ सकती है।

मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान की गतिविधियां

मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान के लोगों ने इस संस्था को आगे बढ़ाने के लिये विशेष प्रयास किये हैं।

प्रशासन गांवों के संग अभियान में भी संस्था के लोगों ने विकलांगजनों को उनके प्रमाण पत्र बनवाने, पेंशन चालू करवाने तथा अन्य लाभ दिलवाने में सक्रिय भूमिका निभाई है।

साईटसेवर्स के प्रतिनिधियों द्वारा मेवाड़ विकलांग सेवा सदस्यों से मुलाकात की एवं उनके द्वारा संस्था को सहयोग प्रदान करने का आश्वासन प्रदान किया। इससे संस्था के सदस्यों का मनोबल बढ़ा है और उजाले की एक किरण दिखायी दी। अब तक संस्था द्वारा 20,000 से अधिक की राशि एकत्रित की जा चुकी है।

इन तीन महीनों में संस्था के जागरूक लोगों ने सदस्यता अभियान चलाया है। जिसके तहत संस्था द्वारा 50 रूपए की सहयोग राशि लेकर विकलांगजानों को संस्था का सदस्य बनाया तथा उनको सदस्यता पत्र जारी किया। संस्था अधिक से अधिक विकलांगजनों को जोड़ रही है ताकि उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा लाभों की जानकारी मिल सके। संस्था के सदस्यों द्वारा ये जानकारी दूर दराज के गांवों में जाकर अन्य विकलांगों तक पहुंचाई जा रही है ताकि वो भी अपने अधिकार के प्रति जागरूक हो सकें। इच्छुक विकलांगजन निर्धारित शुल्क जमा कर सदस्यता प्राप्त कर सकते हैं।

विश्व विकलांग दिवस का आयोजन

साईटसेवर्स प्रतिनिधियों का विज़िट

सर्व शिक्षा अभियान के साथ मनाया लुई ब्रेल दिवस

लुई ब्रेल दिवस के दौरान नेत्रहीनों को व्हाईट केन बांटी

नरेगा स्थल पर विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी

नेत्रहीन बाबरू ने लगायी किले पर प्रसाद की दुकान

मीडिया

लुई ब्रेल दिवस पर हुई विभिन्न प्रतियोगिता

चित्तौड़गढ़। सर्वशिक्षा अभियान द्वारा समावेशित शिक्षा के तहत विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं में से पूर्ण दृष्टिबाधितों के लिए लुई ब्रेल दिवस पर राजकीय आदर्श उप्रावि किला रोड पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

विकलांग दिवस पर विचार गोष्ठी

चित्तौड़गढ़। कट्स मानव विकास केन्द्र में मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान के सहयोग से विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर सोमवार को विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। साईट सेवर्स के सहयोग से चलाए जा रहे समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के तहत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के अध्यक्ष दिलीप सिंह राणावत ने बताया कि इस संगठन को मजबूत बनाने के लिए सदस्यता अभियान चला रहे हैं। इस कार्यक्रम में चित्तौड़गढ़ जिले के विभिन्न गांवो से 152 विकलांगजनों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में पूरण शर्मा, रतनलाल धाकड़, दीनदयाल, प्रेम प्रकाश, रेखा, किरण गोस्वामी, सुशील जैन, गोविन्द रेगर आदि विकलांगजनों ने बताया कि किस प्रकार उन्होंने अपने जीवन में

विकलांगजनों को बताई योजनाएं

'ग्रामीण जागरूकता पर ही विकास'

चित्तौड़गढ़. देश का चहुंमुखी विकास करना है तो ग्रामीण समुदाय को जागरुक करना होगा। यह बात विकास अधिकारी केएल जैन ने घटियावली के राजीव गांधी भारत निर्माण केन्द्र पर आयोजित समुदाय क्षमतावर्धन कार्यशाला में कही। उन्होंने कहा गांवों के विकास के लिए कई योजनाएं बनाई लेकिन उचित जानकारी के अभाव में लाभ आम आदमी तक नहीं रहा है।

गोष्ठी का आयोजन

चित्तौड़गढ़. कट्स मानव विकास केन्द्र में मेवाड़ विकलांग सेवा संस्थान के सहयोग से आयोजित गोष्ठी में विकलांगजनों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। अध्यक्ष दिलीपसिंह राणावत ने बताया कि विभिन्न गांवों से 152 विकलांग

Sightsavers
North West India Area Office
C-39, Panchsheel Colony, Ajmer Road Jaipur-302006
Ph: +91.141.2812081; Fx: +91.141.2812081-27

कट्स मानव विकास केन्द्र
सेंती (रावला), चित्तौड़गढ़ 312025, फोन: (01472): 241472 फैक्स: 247715
E-mail: chd@cuts.org, Website: www.cuts-international.org

मुद्रक : एम. एस. प्रिंटर